भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **2711** जिसका उत्तर
मंगलवार, 11 अगस्त, 2026 (20 श्रावण, 1948 (शक)) को दिया जाना है

राष्ट्रीय जलमार्ग विकास कार्यक्रम

2711 श्री विजय चिंताकायला:

क्या पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय जलमार्ग-4 (गोदावरी-कृष्णा) के विकास की वर्तमान स्थिति क्या है, जिसमें आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा-मुक्त्याला खंड तथा रोल-ऑन/रोल-ऑफ टर्मिनल (रो-रो टर्मिनल) सहित किए गए कार्यों का ब्यौरा भी सम्मिलित हैं;

(ख) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान राष्ट्रीय जलमार्गों के विकास के लिए आंध्र प्रदेश को कितनी निधि आवंटित एवं निर्गत की गई है;

(ग) राज्य के भीतर राष्ट्रीय जलमार्ग-4 पर वर्तमान में प्रचालित कार्गो/यात्री आवागमन, यदि कोई हो, का ब्यौरा क्या है; और

(घ) राज्य में जलमार्ग विकास की गति को प्रभावित करने वाली समस्याएं जैसे, मौसमी जल प्रवाह में उतार-चढ़ाव अथवा भूमि अधिग्रहण, यदि कोई हों, तो क्या-क्या हैं?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्लूएआई), एक स्वायत संगठन ने रो-रो आवाजही को सुगम बनाने के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.)- 4 (कृष्णा नदी) पर मुक्त्याला पर एक रोल ऑन-रोल ऑफ (रो-रो) टर्मिनल विकसित किया हैं। आईडब्ल्यूएआई ने पर्यटन गतिविधियों को सुगम बनाने के लिए वर्ष

2024 के दौरान 04 फ्लोटिंग जेट्टियां निर्मित कर आंध्र प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एपीटीडीसी) को सौंपी हैं।

(ख): पिछले तीन वर्षों के दौरान रा.ज.-4 के विकास के लिए आबंटित और प्रयुक्त निधि का विवरण निम्नानुसार हैं:

वित्तीय वर्ष	**आबंटित/प्रयुक्त निधि (करोड़ रूपये)**
2023-24	0.67
2024-25	1.22
2025-26	18.28

(ग): 2025-26 के दौरान कार्गो और यात्री आवागमन क्रमश: 5.71 मिलियन टन और 2.34 मिलियन था।

(घ): रा.ज.-4 पर रो-रो टर्मिनल सुविधाओं के विकास के लिए इब्राहिमपट्टनम, एनटीआर जिला, आंध्र प्रदेश के राज्य सिंचाई विभाग की भूमि (3.80 एकड़) का हस्तांतरण प्रक्रियाधीन हैं। विजयवाड़ा-मुक्त्याला खंड में सुरक्षित नौचालन के लिए पर्याप्त जल गहराई की उपलब्धता पुलिचिंताला बांध से विनियमित प्रवाह पर निर्भर करती है, जिसके परिणामस्वरूप नौचालन की स्थितियों में मौसमी परिवर्तन होता है। इसके अतिरिक्त, कम ऊंचाई वाले पुल, पुराने नौचालन लॉक और अतिक्रमण आदि की उपस्थिति, रा.ज.-4 पर विकास और नौचालन को प्रभावित करती हैं।

*****